

CATHOLIC CHRONICLEE.

| VOL. X |  |  |  | O. |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| D. \& J. SADLIER \& CO., datholic publishers, 275, NOTRE DAME Street, hontreal, |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | honest arm lue stretehed out in her dufence ?- Involuntarily Lurd Ditere put his hand upon his sword. |  |
|  |  |  | sword. <br> Who should be the protector of Gertrode in |  |
| Requisites, used in the differen |  |  |  |  |
|  |  |  |  | ate |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | dignation, when he pietmed to himself the form of Lord Leicester at the feet of Gutride Ifad- |  |
|  |  |  | annililated the man who shombl dare insalt herear with the proposels of dishomornle love. Itis tract that the name of Sir Christopher Hateon |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  temule. |  |
|  |  |  |  |  juet that Juy nenr its entraner orr |
|  |  |  | walked lastily on, umbeding sumoumding ahjects, and thus, ere he was aware, he reached the honse |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | garden liy which it whs surrounded ndeled to itsisolation. Not a sound was heard as Lord Dacre |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | light in any of the efsements. Where was old Martin? hord Yacre knew that he was too warm- ly athehed to his master tolave retired composed- |  |
|  |  |  | Me |  |
|  |  |  | during the pust night, Ifenry had, before he left early hour in the morning. |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  <br>  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | an ind |
|  |  |  | Soity | the dreadful apartment, whon his footsteps werein the house door. Whe noxt minute he learently the |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | momur of voices in the liall; among which he relared his course in the Corn Market |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Dacre forget that the same ruffian was by his own mitter in the Chepe. What menuwhil was to |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

